

उत्तरांचल शासन।

उत्तरांचल, देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में उत्तरांचल अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के लिये आवश्यक वस्तुओं का कया एवं अन्य आवश्यक व्ययों हेतु रुपया 100 लाख अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,
उपरोक्त विषयक के संदर्भ में सूची यह कार्य का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2005-06 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत आवेदनमागत पक्ष में आवश्यकता अनुसार आवश्यक वस्तुओं का क्रय एवं अन्य आवश्यक व्ययों हेतु राशियाँ विवरण, क्रम, क्रयक, विवरण (शुद्ध एवं कसौड़ मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की राशियाँ संलग्न सूची में संलग्न प्रमाण पत्रों के साथ प्रेषित की जा रही हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आवंटन पर राजस्व वांछनी है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। नतीजा इसी स्पष्ट किया जाये है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसके अन्तर्गतने रा. व. व. मनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के निम्नलिखित अन्तर्गत आदेशों का उल्लंघन किया हो। अतः व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी को स्वीकृति आवश्यक है, वहाँ ऐसा व्यय राश्या आवश्यक है की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितत आवश्यक है, मितव्ययता के माध्य में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जायेगा तथा उक्त मद में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

उपरोक्त स्वीकृत धनराशि से संबंधित बिलों को जिलाधिकारी, देहरादून के सम्मुख प्रस्तुत कर
तेहस्ताक्षरित किये जाने के उपरांत कोषागार में जमा किया जाये।

उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या-23 मुख्य लेखाशीर्षक 3425-अन्य
ज्ञानिक अनुसंधान, 60- अन्य, 004-अनुसंधान तथा विकास, 05-अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र की स्थापना,
0-आयोजनागत के अन्तर्गत मानक मद संख्या: 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद के नामे
जाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: यू0ओ0: 38/xxvii(5)/2005, दिनांक : 11,
नवम्बर, 2005 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय

(आर0एस0एस0 संघ)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1/-cc /XXXVIII(1)/180-वि0प्रौ0/2005, तदुद्दिष्ट
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी।
- 4- वित्त अनुभाग-5
- 5- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।
- 7- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 8- एन0आई0सी0 सचिवालय।
- 9- मार्व फाईल।

आज्ञा से,

(आर0के0 चौहान)
अनुरसचिव।

सनादेश संख्या: /XXXVIII(1)/180-वि0प्रौ0/ 2005, दिनांक: १ नवम्बर, 2005
का संलग्नक :-

आयोजनागत

अनुदान संख्या: 23

धनराशि लाख रुपये में

व्य लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान

60-अन्य

004-अनुसंधान तथा विकास

05-अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र की स्थापना

मानक मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता

0सं0

व्यय का मदवार विवरण


आवृत्ति धनराशि (लाख रुपये में)

वेतन	15
यात्री व्यय	10
कार्यालय व्यय	7.5
पानीघर एवं उपकरण का क्रय	35
उपग्रह डाटा क्रय	10
अन्य व्यय	7.5
भान किराया	12

योग:

100

(रुपये एक करोड़ मात्र)


(डा० एस०एस० सन्धु)
सचिव।